

भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न सं.3415  
बुधवार ,23 मार्च ,2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

बढ़ता प्रदूषण स्तर

3415श्री ए .स:मीमुनिस्वा .

साहेब शंकर जोल्लेश्री अण्णा:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या मौसम विज्ञान विभाग, विशेष कर दिल्ली शहर के प्रदूषण के स्तर के गंभीर मुद्दे के समाधान की दिशा में पर्यावरण तथा वन मंत्रालय सीसी और इकोसिस्टम में जुड़ी संबंधित सरकारी एजेंसियों को प्रदूषण के स्तर संबंधी सामयिक और महत्वपूर्ण चेताने वाले आंकड़े प्रदान कर रहा है;
- (ख) यदि हां, तो क्या महानगरों में बैटरी चालित वाहनों का उपयोग बढ़ने के बाद वायु प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी आई है;
- (ग) क्या विभाग ने प्रणाली में एक ऐसे पैटर्न का पता लगाया है, जोकि हरियाणा और पंजाब राज्यों में फसल कटाई के बाद के मौसम में दिल्ली शहर और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है;
- (घ) यदि हां, तो क्या प्रदूषण के बढ़े हुए स्तर के इस विचित्र पैटर्न का विश्लेषण दिल्ली सरकार, पर्यावरण तथा वन मंत्रालय एमओईएफसीसी को आगे अनुसंधान शोध के लिए भेजा गया है; और
- (ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)  
(जितेंद्र सिंह .डॉ)

- (क) जी हाँ। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ईको सिस्टम प्रणाली में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और इन जैसी अन्य सरकारी एजेंसियों को विशेष रूप से दिल्ली शहर में प्रदूषण स्तर के गंभीर मुद्दे के समाधान की ओर अग्रसर होने के लिए समय रहते प्रदूषण के स्तर संबंधी आंकड़े प्रदान कर रहा है। इसके लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संस्थानों (IITM और IMD) ने दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के लिए उन्नत वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली (AQWES) और निर्णय समर्थन प्रणाली (DSS) विकसित की है। निर्णय समर्थन प्रणाली को क) दिल्ली की वायु गुणवत्ता में दिल्ली और आसपास के 19 जिलों से उत्सर्जन का योगदान ख) दिल्ली की वायु गुणवत्ता में दिल्ली के 8 विभिन्न क्षेत्रों से उत्सर्जन का योगदान ग) दिल्ली की वायु गुणवत्ता में गिरावट के लिए पड़ोसी राज्यों में बायोमास जलाने की गतिविधियों का योगदान इन विषयों में परिमाणात्मक जानकारी देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अतिरिक्त, निर्णय समर्थन प्रणाली दिल्ली में पूर्वानुमानित वायुगुणवत्ता - घटना पर संभावित उत्सर्जन स्रोत स्तरीय-प्रयासों के परिमाणात्मक प्रभावों के बारे में भी जानकारी दी जाती है। इन तमाम सूचनाओं की वजह से वायु गुणवत्ता के समयोजित ढंग से प्रबंधन में मदद मिलेगी। यह प्रणाली भारत सरकार की नई डिज़ाइन की गई ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान क (जीआरएपी) अनुसार आवश्यक कदम उठाने हेतु अगले 5 दिनों के लिए आगामी वायु गुणवत्ता की घटनाओं के लिए समय पर चेतावनी और स्रोत योगदान के लिए पूर्वानुमान जारी करती है। यह प्रणाली अब भारत सरकार, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और DPCC द्वारा दिल्ली और आसपास के क्षेत्र (CAQM) में वायु गुणवत्ता प्रबंधन

के लिए नवगठित आयोग द्वारा प्रचालन में उपयोग की जाती है। इस प्रणाली में एक विशेषता भी है जिसके द्वारा उपयोगकर्ता अगले पांच दिनों के लिए दिल्ली की वायु गुणवत्ता में संभावित अनुमानित सुधार की जांच करने के लिए संभावित उत्सर्जन में कमी का परिदृश्य (दिल्ली सहित) 20 विभिन्न जिलों सेके लिए जिम्मेदार बना सकता है। यह जानकारी स्पष्ट रूप से दिल्ली में खराब वायु गुणवत्ता (सबसे महत्वपूर्ण उत्सर्जन स्रोतों को उजागर करती है और नीति निर्माताओं को संभावित समाधान सुझाती है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने सूचना प्रसार प्रणाली भी विकसित की है जो पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, DPCC जैसी सरकारी एजेंसियों और जनता को भी वास्तविक समय में वायु गुणवत्ता की जानकारी प्रदान करती है। यह वेबसाइट जनता और निर्णयकर्ताओं के लिए दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता के वास्तविक समय के निकट प्रेक्षण, चेतावनी संदेश, अलर्ट और बुलेटिन वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान प्रसारित करती है।

- (ख) वर्तमान में, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय वायु गुणवत्ता के संबंध में प्रेक्षण, अनुसंधान और चेतावनी प्रसारित करता है और महानगरों में बैटरी वाहनों की संख्या का रिकॉर्ड नहीं रखता है।
- (ग) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संस्थानों द्वारा किए गए सहयोगी शोध कार्य और दिल्ली के लिए विकसित निर्णय समर्थन प्रणाली ने प्रणाली में एक पैटर्न का पता लगाया है जिसके चलते हरियाणा और पंजाब राज्यों में फसल कटाई के बाद के मौसम में दिल्ली शहर और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि होती है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग (CDAC) द्वारा किए गए मॉडलिंग अध्ययन से संकेत मिलता है कि दिल्ली में मानसून के बाद के मौसम के दौरान औसतन (नवंबर-अक्टूबर), PM<sub>2.5</sub> सांद्रता का 5% गैर-स्थानीय आग उत्सर्जन का योगदान पाया गया। तथापि, सामान्य वायु प्रदूषण की घटनाओं पर, दिल्ली में PM<sub>2.5</sub> में आग उत्सर्जन का योगदान 5-75% (80- 120µg/m<sup>3</sup>) के रूप में उच्च स्तर पर होता है, जो दिल्ली में PM<sub>2.5</sub> प्रदूषण के लिए बाहरी परिवहन और स्थानीय उत्सर्जन दोनों के योगदान को दिखाता है।
- (घ) जी, हाँ। गैरस्थानीय आग के कारण बढ़े हुए प्रदूषण के स्तर के इस- विचित्र पैटर्न का विश्लेषण, निर्णय समर्थन प्रणाली (DSS) के माध्यम से उपलब्ध कराया गया है और इसे दिल्ली सरकार, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को आगे अनुसंधान के लिए भेजा जा रहा है।

ड)) प्रश्न नहीं उठता।

\*\*\*\*\*